Article Date	Headline / Summary	Publication
29 Oct 2026	सिर्फ टिकट काफी नहीं! देश या विदेश घूमने से पहले क्यों जरूरी है ट्रैवल इंश्योरेंस? जानें चुनने का सही तरीका	Navbharat Times

सिर्फ टिकट काफी नहीं! देश या विदेश घूमने से पहले क्यों जरूरी है ट्रैवल इंश्योरेंस? जानें चुनने का सही तरीका



How to Choose Travel Insurance: यात्रा पर जाने से पहले पॉलिसी की जांच करना, बीमा कंपनी के इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर को आसानी से उपलब्ध रखना और क्लेम प्रक्रिया को समझना ग्राहकों को सही फैसले लेने में मदद कर सकता है। नई दिल्ली: देश की कई सारी बीमा कंपनियां अलग-अलग प्रकार से इंश्योरेंस की सुविधा देती हैं। इनमें ट्रेवल इंश्योरेंस, मेडिकल इंश्योरेंस, कार इंश्योरेंस, टर्म इंश्योरेंस समेत अन्य कई बीमा शामिल हैं। इस बीच हम यहां यात्रा पर जाने से पहले बीमा खासकर के ट्रैवल और मेडिकल इंश्योरेंस की बात कर रहे हैं।

हाल ही में यूएई में स्थिति भारतीय दूतावास ने भी देश के नागरिकों से कहा है कि वे विदेश जाने से पहले अपना मेडिकल इंश्योरेंस जरूर कराएं। इस बीच सवाल यह है देश हो या विदेश, कहीं पर घूमने से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस क्यों जरूरी है और इसको चुनने का सही तरीका क्या है, आइए इसके बारे में जानते हैं। मेडिकल खर्च एक महत्वपूर्ण पहलू हमारे सहयोगी न्यूज पॉइंट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे पहले आप उस कवर से शुरुआत करें जिसकी आपको वास्तव में जरूरत है। इसमें मेडिकल खर्च एक महत्वपूर्ण पहलू है, खासकर विदेश यात्रा के लिए, जहां इलाज महंगा हो सकता है।

पॉलिसी की चिकित्सा सीमा, आपातकालीन सहायता नियम-प्रावधान और अस्पताल में भर्ती या वहां से निकासी के नियमों की जांच करें। कैंसिलेशन और यात्रा में रुकावट का कवर भी उपयोगी हो सकता है, लेकिन पॉलिसी में यह स्पष्ट रूप से बताया जाएगा कि किन कारणों से यह कवर लागू होता है। यात्रा का इरादा बदलने या अनुबंध में उल्लिखित किसी घटना के लिए प्रतिपूर्ति नहीं की जा सकती है। इन बातों का रखें खास ध्यान जानकारी के मुताबिक, बीमा पॉलिसियों में आमतौर पर कुछ स्थितियों को शामिल नहीं किया जाता है या विशेष शर्तें लागू होती हैं। इसलिए ट्रैवल बीमा लेने से पहले संबंधित बीमा कंपनी के नियमों को पढ़ लें। पहले से मौजूद स्वास्थ्य दिक्कतें, ज्यादा जोखिम वाली गतिविधियां, लावारिस सामान और आधिकारिक सलाह के विरुद्ध यात्रा करना, अलग-अलग बीमा देने वालों के द्वारा अलग-अलग तरीके से माना जा सकता है।

मेडिकल और पात्रता संबंधी अन्य प्रश्नों का ईमानदारी से उत्तर दें। गलत घोषणाएं दावे को जटिल बना सकती हैं या बीमा की वैधता को प्रभावित कर सकती हैं। यदि स्कीइंग, ट्रेकिंग या स्कूबा डाइविंग जैसी कोई गतिविधि यात्रा कार्यक्रम का हिस्सा हैं, तो जांच लें कि यह बीमा में शामिल हैं या इसके लिए अतिरिक्त लाभ की आवश्यकता है।

साथ ही, पॉलिसी का भौगोलिक दायरा, प्रारंभ और समाप्ति तारीखें, आयु सीमा और दावा करते समय आपको स्वयं भुगतान करना होगा ऐसी किसी भी अतिरिक्त राशि की पुष्टि करें। क्लेम प्रोसेस की कर लें तुलना जब भी आप किसी बीमा कंपनी से कोई इंश्योरेंस लेते हैं तो सबसे पहले उसकी सुविधा, क्लेम प्रोसेस की जांच कर लें। जब किसी पॉलिसी की क्लेम प्रक्रिया स्पष्ट होती है, तो उसका उपयोग करना आसान हो जाता है। इमरजेंसी संपर्क नंबर देखें, यह पता करें कि क्या बीमा कंपनी 24 घंटे सहायता प्रदान करती है और अलग-अलग तरह के क्लेम के लिए किन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है।

आप पॉलिसी, बुकिंग कन्फर्मेशन, रसीदों और संबंधित मेडिकल रिकॉर्ड की प्रतियां अपने पास रखें। यदि कोई घटना या दिक्कत होती है, तो तुरंत बीमा कंपनी से संपर्क करें और उनके निर्देशों का पालन करें। सिर्फ सस्ता प्रीमियम नहीं, बल्कि वैल्यू भी अहम एक्सपर्ट बताते हैं कि सिर्फ सबसे कम प्रीमियम के आधार पर पॉलिसी चुनने के बजाय, आपको मिलने वाले कुल फायदों की तुलना करनी चाहिए। एक सस्ती पॉलिसी में कवरेज की सीमा कम हो सकती है, उसमें कई चीजें शामिल नहीं हो सकती हैं या फिर आपको अपनी जेब से ज्यादा रकम (एक्सेस) देनी पड़ सकती है। पॉलिसी के नियम और शर्तें ध्यान से पढ़ें। अगर कोई बात समझ न आए, तो पॉलिसी खरीदने से पहले बीमा कंपनी से उसके बारे में स्पष्ट जानकारी लें। विदेश में अचानक आई मेडिकल इमरजेंसी काफी महंगी

एनबीटी से बात करते हुए इंश्योरेंस एक्सपर्ट और बजाज जनरल इंश्योरेंस के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर (रिटेल सेल्स) राकेश कौल ने किसी यात्रा से पहले या विदेश जाने या वहां कुछ दिनों तक रहने को लेकर मेडिकल इंश्योरेंस पर अपनी बात कही है। वे कहते हैं,"विदेश में अचानक आई मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति काफी महंगी साबित हो सकती है, खासकर जब किसी व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती होने, विशेष इलाज या भारत वापस लाने के लिए इमरजेंसी ट्रांसपोर्टेशन की आवश्यकता हो।" यात्रा से पहले, ग्राहकों को यह जांचना चाहिए कि क्या उनके यात्रा बीमा में आपातकालीन अस्पताल में भर्ती, डॉक्टर से परामर्श, डायग्नोस्टिक टेस्ट, एम्बुलेंस सेवाएं और आपातकालीन चिकित्सा निकासी, साथ ही आवश्यकता पड़ने पर भारत वापस लाने का खर्च शामिल है। उन्हें बीमा राशि, अलग-अलग इलाज की सीमा, डिडक्टिबल्स और अपवर्जनों (exclusions) की भी समीक्षा करनी चाहिए, जिसमें पहले से मौजूद चिकित्सीय स्थितियों (pre-existing medical conditions) पर लागू होने वाली शर्तें भी शामिल हैं। राकेश कौल, चीफ डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर (रिटेल सेल्स)- बजाज जनरल इंश्योरेंस कहीं आर्थिक बोझ ना बन जाए विदेशों में इलाज एक्सपर्ट राकेश कौल आगे कहते हैं, " महत्वपूर्ण बात सिर्फ यह नहीं है कि किसी व्यक्ति के पास बीमा है या नहीं, बल्कि यह है कि क्या इलाज की जरूरत पड़ने पर वह पॉलिसी उसकी जरूरतों को पूरा कर पाएगी।" वे कहते हैं कि अगर बीमा कवर कम पड़ जाए, तो विदेश में इलाज का खर्च किसी व्यक्ति और उसके परिवार पर भारी आर्थिक बोझ डाल सकता है। यात्रा पर जाने से पहले पॉलिसी की जांच करना, बीमा कंपनी के इमरजेंसी कॉन्टैक्ट नंबर को आसानी से उपलब्ध रखना और क्लेम प्रक्रिया को समझना ग्राहकों को सही फैसले लेने में मदद कर सकता है। इससे मेडिकल इमरजेंसी के समय किसी भी तरह के अप्रत्याशित आर्थिक दबाव से बचा जा सकता है।